



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 249]

नई दिल्ली, बुधवार, अक्टूबर 30, 1986/कार्तिक 8, 1908

No. 249]

NEW DELHI, THURSDAY, OCTOBER 30, 1986/KARTIKA 8, 1908

इस भाग से भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as
a separate compilation

वस्त्र संकालन

वस्त्र प्रायुक्त का कार्यालय

अधिसूचना

बम्बई, 30 अक्टूबर, 1986

स. सी ई आर/(11)/86-सी एलबी :—वस्त्र (नियंत्रण) आदेश 1986 के खण्ड 16 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए मैं एतद्-द्वारा निम्नलिखित निर्देश जारी करता हूँ।

(एक) ये निर्देश भारत के राजपत्र में इस अधिसूचना में प्रकाशन की तारीख से प्रभाव में आयेंगे और दिनांक 31-12-90 तक प्रभाव में रखने के लिए जारी रहेंगे।

(दो) ये निर्देश उपरोक्त नियंत्रण आदेश के खण्ड 3(7) के अधीन परिभाषित सूची वस्त्र पर लागू होंगे।

(तीन) नीचे के उप-परिच्छेद (चार) के उपबंधों के अध्याधीन ये निर्देश निर्माताओं द्वारा अनुपालित किए जायेंगे।

(चार) जिस निर्माता पर यह अधिसूचना लागू होती है, यदि वह वस्त्र प्रायुक्त को या ऐसे अधिकारी को संतुष्ट करता हो जिसे इस संबंध में वस्त्र प्रायुक्त नियुक्त करते हैं, कि इसके पर्याप्त कारण हैं कि ऐसे निर्माता को किसी भी या इन सारे निर्देशों का अनुपालन करने की छूट होनी चाहिए या कि कोई भी या ये सारे निर्देश उसको दिए गए उनके आवेदन पत्र में उपांतरित किए जाने चाहिए, वस्त्र प्रायुक्त या उनके द्वारा नियुक्त

अधिकारी लिखित रूप में आदेश द्वारा ऐसे निर्माता को किसी भी या इन सारे निर्देशों का पालन करने से छूट दे सकता है या ऐसे निर्माता के आवेदनपत्र में किसी भी निर्देश या इन सारे निर्देशों में परिवर्तन कर सकता है।

2. (1) किसी भी निर्माता को मच्छरखानी, सिवाई धागा, लट्ठा, पापसीन ट्रिबल शटिंग, सूसी, लेपर्ड, झोल, कोटिंग, मजरो वस्त्र, चांदर, माबला पाट एवं पल्लेन स्टेडर्ड आलिव के हरे रंग (स्केमिक सं. 314) में या उससे मिलने जुलने किसी भी रंग में नहीं रंगने चाहिए सिवाय तब जब ऐसे वस्त्र या धागे सरकार द्वारा दिए गए आदेश की अनुसूचता में भारत सरकार की पूर्ति के लिए उत्पादित किए गए हों।

(2) कोई भी निर्माता, भारत से बाहर निर्यात करने वाले वस्त्रों के अतिरिक्त, वस्त्र के निम्नलिखित प्रकारों में से किसी भी प्रकार, प्रभातः पोपलिन, मल, बायल, डोरिया और ड्रेस मटिरियल को, जो रंग धुलाई में पक्का नहीं है उस रंग में नहीं रंगेगा।

स्पष्टीकरण: "धुलाई करने में पक्का" इस शब्द से तात्पर्य आईएस आई स्टेडर्ड सं. आईएसआई 765-1956 में निर्धारित तथा आईएसआई स्टेडर्ड सं. आईएसआई 768-1956 की अनुसूचता में मूल्यांकित यांत्रिकी धुलाई (तीव्र) में श्रेणी 3 के सूक्ष्म परीक्षण में वस्त्र सामग्री के रंग का पक्कापन है।

(3) किसी भी उत्पादक को धोती या साड़ी की किनारी में किसी ऐसे रंगीन सूत का प्रयोग नहीं करना चाहिए जो विरंजन के रंग में पड़का नहीं, रंगा गया है।

(4) किसी भी निर्माता को उत्पादक द्वारा उत्पादित धोती या साड़ी के किसी भी तग को रंगना नहीं चाहिए।

3. किसी भी निर्माता को शक्तिचापित कर्षों पर उत्पादित कोई भी अग्रभागवाले या किनारीवासी साड़ी पलंगपोश बिस्तर का गिलाफ, मेज-पोश नहीं छापने चाहिए।

स्पष्टीकरण :—इस परिच्छेद में :—

(1) "अग्रभाग" से तात्पर्य कपड़े के मुख्य हिस्से से भिन्न किसी भी रंग का नमूना जिसमें सफेद अग्रभाग भी शामिल है और जो कपड़े के किनारे से किनारे तक चौड़ाई में आता है।

(2) "किनारी" से तात्पर्य कपड़े के मुख्य हिस्से से भिन्न किसी भी रंग का नमूना, जिसमें सफेद किनारी भी शामिल है जो किनारे के साथ और करीब आता है।

(3) "साड़ी से तात्पर्य किसी भी प्रकार का उस नाम से साधारण-तया जाना जानेवाला सीधी बुनाई का कोरा या विरंजित वस्त्र, चाहे वह मर्सराइज हो या नहीं, जो (एक) जिसकी किनारी एवं अग्रभाग में रंगीन सूत या सफेद सूत मिला हो।

(बी) जिसकी चौड़ाई 94 से.मी. से 140 से.मी. (मिलाकर) तक की हो; और

(तीन) जिसकी लम्बाई 4.15 मीटर से 14 मीटर (मिलाकर) तक की हो; और उपरोक्त मव(बी) की अनुरूपता में निमित्त किसी भी प्रकार की छपी हुई मल, छपी हुई बायल या कितनी भी लम्बाई का छपा हुआ बोरिया भी शामिल है।

लेकिन उपरोक्त नियंत्रण आदेश के खण्ड 16 के उपखण्ड (2) में समय-समय पर वस्त्र आयुक्त के निर्देशन के अन्तर्गत उत्पादित की जाने के लिए अपेक्षित नियंत्रित साड़ी के उत्पादन पर इस खण्ड में से कुछ भी लागू नहीं होगा।

टिप्पणी :—(1) उपरोक्त मव(तीन) के अभिप्राय हेतु "छपी हुई मल", "छपी हुई बायल" और "छपा हुआ बोरिया" से तात्पर्य 28 काउन्ट से 80 काउन्ट (दोनों मिलाकर) के बीच तामा काउन्ट से निमित्त सीधी बुनाई के छपे हुए किसी भी कपड़े तथा 5-4 और उससे कम के ट्रिबेस्ट मस्ट, प्लायर से है, उसे साधारणतया "मल" "बायल" एवं बोरिया के नाम से जाना जाता है, इसमें और गैरकी फिनिश वस्त्र एवं ताने एवं बाने दोनों में कुहरे सूत वाले वस्त्र शामिल नहीं हैं।

वस्त्र आयुक्त की अधिसूचना सं. सीई.आर. 7/86/सो.एल.का. दिनांक 26/6/86 के अन्तर्गत निविष्ट नियंत्रित साड़ी को भी मिलाकर "साड़ी"।

(4) "पलंग पोश" से तात्पर्य किसी भी कोरे या विरंजित कपड़े के टुकड़े से है जो बिस्तर पर बिछाने के लिए प्रयुक्त किया जा सकता है, जिसमें आवर भी शामिल हैं।

(5) "बिस्तर के गिलाफ" से तात्पर्य बिस्तर को ढकने वाला कोई भी दूसरा कपड़ा, जो काउन्टर पेन नहीं हो तथा जो सजा हुआ हो या जिसमें रंगीन आभास हो।

(6) "मेज पोश" से तात्पर्य किसी भी कोरे, विरंजित, रंगीन या छपे हुए कपड़े से है, जो मेज पर बिछाने के लिए काम में लिया जा सकता हो।

4. कोई भी निर्माता जिसके पास कटाई प्लांट हो, वस्त्र आयुक्त की लिखित रूप में पूर्ण अनुमति के बिना बिक्री के लिए "रिबर्स ट्रिबेस्ट यार्न" का उत्पादन नहीं करेगा।

स्पष्टीकरण :— "रिबर्स ट्रिबेस्ट यार्न" से मतलब रफ़ेरा सूत जिसमें ट्रिबेस्ट की विसा धामावर्त हो।

5. वस्त्र आयुक्त के द्वारा लिखित रूप में जारी आदेश की अनुरूपता के अतिरिक्त कोई भी उत्पादक किसी भी "नियंत्रित वस्त्र" का उत्पाद नहीं करेगा।

बोरेन्द्र बी. वर्मा, संयुक्त वस्त्र आयुक्त

MINISTRY OF TEXTILES Office of the Textile Commissioner NOTIFICATION

Bombay, the 30th October, 1986

No. CER/(11)/86-CLB.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 16 of the Textiles (Control) Order, 1986, I hereby issue the following directions :—

- (i) These directions shall come into force from the date of the publication of this notification in the Gazette of India, and shall continue to be in force till the 31-12-1990.
- (ii) These directions shall apply to Cotton Cloth as defined under Clause 3(7) of the above control order.
- (iii) Subject to the provisions of sub-paragraph (iv) below, these directions shall be complied with by manufacturers.
- (iv) If a manufacturer to whom this Notification applies, satisfies the Textile Commissioner or such officer as the Textile Commissioner may appoint in this behalf, that there are sufficient reasons why such manufacturer should be exempted from compliance with any or all of these directions or that any or all of these directions should be modified in their application to him, the Textile Commissioner or the Officer so appointed by him may, by an Order, in writing exempt such manufacturer from compliance with any or all of these directions or modify any or all of these directions in their application to such manufacturer.

2. (1) No manufacturer shall dye in Standard Olive Green shade (Scamic No. 314) or any shade closely resembling it, Mosquito netting, sewing thread, longcloth, poplin, Twill, Shirting, Sucies, Leopard, Drills, Coating, Mazri Cloth, Bed sheets, Bed Ticking cloth and Flanellette, except when such or thread is produced for supply to the Government of India in accordance with or order placed by the Government of India.

(2) No manufacturer shall piece-dye except for export out of India, any of the following varieties of cloth in shade which is not fast to washing, namely :—Poplins, mulls, voiles, dorias and dress material.

Explanation.—The term "fast to washing" means colour fastness of the textile material to a minimum of grade 3 to mechanical washing (severe) prescribed

in I.S.I. Standard No. I.S. 765-1956 and evaluated in accordance with ISI Standard No. ISI 768-1956.

(3) No producer shall in the border of a dhoti or saree use any coloured yarn which is not dyed in a fast to bleach shade.

(4) No manufacturer shall piece-dye any dhoti or saree produced by the producer.

3. No manufacturer shall print any saree, bed-spread, bedcover, tablecover produced on powerlooms with any heading or border.

Explanation.—In this paragraph :—

- (i) "Heading means any colour pattern different from that in the body of the fabric including a white heading which runs width-wise from selvedge to selvedge of the fabrics.
- (2) "Border" means any colour pattern different from that in the body of the fabric including a white border which runs alongside and close to the selvedge.
- (3) "Saree" means any type of grey or bleached cloth commonly known by that name, whether or not mercerised, of plain weave, which—
 - (i) Contains coloured yarn or white yarn on its borders and headings;
 - (ii) has a width ranging between 70 centimetres and 140 centimetres (inclusive); and
 - (iii) has a length ranging from 2.50 metres to 14 metres; (inclusive); and includes any type of printed mulls, printed voile or printed doria, of any length manufactured in accordance with items (ii) above.

Provided that nothing in this clause shall apply to the production on controlled saree required to be produced under the direction of the Textile Commissioner from time to time under sub-clause (2) of Clause 16 of the above said control order.

Note :—(i) for the purpose of item (iii) above "printed mulls", "printed voiles" and "printed dorias" shall mean any printed fabric of plain weave manufactured with warp counts between 28s and 80s (both inclusive) and a twist multiplier of 5.4 and below, which are commonly known as 'mulls', 'voiles', and "dorias" excluding organdie finished cloth and cloth having doubled yarn used both in warp and weft.

"Saree" also includes controlled saree specified under Textile Commissioner's notification No. CER/7/86-CLB dated 26-6-1986.

- (4) "Bed-spread" means any piece of grey or bleached cloth which may be used for spreading over a bed and includes sheeting.
- (5) "Bed-cover" means any outer covering of a bed which is not a counter-pane and which has a decorative or coloured effect.
- (6) "Table cover" means any piece of grey, bleached coloured or printed cloth which may be used for spreading over a Table.

4. No manufacturer having a spinning plant shall produce for sale a 'Reverse Twist Yarn' except with the previous permission in writing of Textile Commissioner.

Explanation.—"Reverse Twist Yarn" means single yarn in which the direction of twist is anti-clockwise.

5. Save in accordance with an order in writing issued by the Textile Commissioner, no manufacturer shall produce or process any "Controlled cloth".

VIRENDRA B. VERMA,
Jt. Textile Commissioner (C)

